गोरखपुर से प्रकाशित

RNI Reg. NO. UPBIL/2023/87841

साप्ताहिक

स्वदेशी इनक्रेडिबल

सिर्फ सच के साथ...

Web:www.sinews.in/E-mail: info@sinews.in

वर्ष : 03 अंक: 11 | गोरखपुर रविवार 07 सितम्बर 2025 | मूल्य- 02 रूपया | पृष्ठ - 8

एकजुटता से आतंकवाद का मुकाबला करना सभी मानवतावादी देशों का कर्तव्य: पीएम मोदी

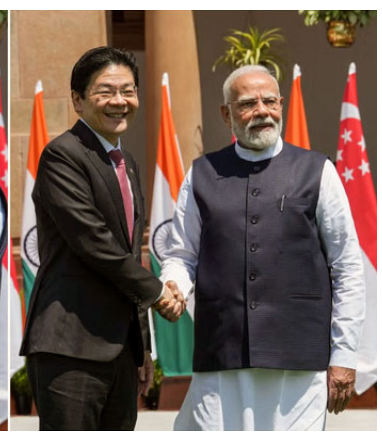

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को सिंगापुर के अपने समकक्ष लॉरेंस वोंग के साथ द्विपक्षीय बैठक की। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय राजधानी स्थित हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री वोंग से मुलाकात की। इससे पहले विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी प्रधानमंत्री वोंग से मुलाकात की और भारत-सिंगापुर संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा की।

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को सिंगापुर के अपने समकक्ष लॉरेंस वोंग के साथ द्विपक्षीय बैठक के बाद साझा प्रेस वार्ता की। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा, 'आतंकवाद को लेकर हमारी चिंताएं समान हैं। हमारा मानना है कि सभी मानवतावादी देशों का कर्तव्य है कि वे एकजुटता से आतंकवाद का मुकाबला करें। मैं पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत के लोगों के प्रति व्यक्त की गई संवेदनाओं और आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई में उनके समर्थन के लिए प्रधानमंत्री वांग और सिंगापुर सरकार का आभार व्यक्त करता हूं।' प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'हरित और डिजिटल शिपिंग कॉरिडोर के लिए हुए समझौते से समुद्री क्षेत्र में हरित ईंधन आपूर्ति श्रृंखला और डिजिटल बंदरगाह निकासी को बढ़ावा मिलेगा। भारत अपने बंदरगाह बुनियादी ढांचे के विकास पर तेजी से काम कर रहा है। इसमें सिंगापुर का अनुभव बेहद उपयोगी है। आज हमने सिंगापुर की कंपनी पीएसए इंटरनेशनल की ओर से विकसित भारत-मुंबई कंटेनर टर्मिनल के दूसरे चरण का उद्घाटन किया। इससे हमारी कंटेनर हैंडलिंग क्षमता में और वृद्धि होगी। सिंगापुर हमारी एक्ट ईस्ट नीति का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। हम हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग और शांति एवं स्थिरता के संयुक्त दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए आसियान के साथ मिलकर काम करना जारी रखेंगे।' प्रधानमंत्री ने कहा, 'हमारे संबंध कूटनीति से कहीं आगे तक जाते हैं। यह एक उद्देश्यपूर्ण साझेदारी है, जो साझा मूल्यों पर आधारित है, आपसी हितों से निर्देशित है। यह शांति, प्रगति और समृद्धि के लिए एक साझा दृष्टिकोण से प्रेरित है।' इससे पहले साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में पीएम मोदी ने कहा, 'आज दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र में सिंगापुर हमारा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। सिंगापुर से भारत में बड़े पैमाने पर निवेश हुआ है। हमारे रक्षा संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं।

गुजराती लोग बिहारियों को हल्के में ना लें : लालू यादव

एजेंसी

नई दिल्ली। राजद प्रमुख लालू यादव ने गुरुवार को बिहार में भाजपा के राज्यव्यापी बंद को लेकर उस पर निशाना साधा और पार्टी कार्यकर्ताओं पर राज्य की महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया। पर एक सोशल मीडिया पोस्ट में लालू यादव ने सवाल किया कि क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा सदस्यों को बिहार और बिहारियों की माताओं, बहनों और बेटियों को गाली देने का आदेश दिया है। लालू ने लिखा कि क्या प्रधानमंत्री मोदी ने आज भाजपा सदस्यों को बिहार और बिहारियों की माताओं, बहनों और बेटियों को गाली देने का आदेश दिया है? गुजरातियों को बिहारियों को कम नहीं आंकना चाहिए। यह बिहार है। सोशल मीडिया पोस्ट में लालू यादव ने आगे लिखा कि भाजपा के गुंडे और बदमाश सम्मानित शिक्षकों, सड़कों पर चल रही महिलाओं, छात्रों, गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों और पत्रकारों को गाली दे रहे हैं।

सम्पादकीय...

मदद का संकल्प

उत्तर से दक्षिण भारत तक जब भी कोई आपदा या संकट देश पर आया है, पंजाबियों ने आगे बढ़-चढ़कर पीड़ितों की मदद की है। पंजाब की धरा से गुरुओं व पीर-पैगम्बरों ने मानवता के उत्थान व मिल-जुलकर खाने की सीख दी है। गुरुओं का यह संदेश देश-दुनिया में प्रेरणा का प्रतीक बना हुआ है। ऐसे वक्त में जब पंजाब बाढ़ की विभीषिका से जूझ रहा है तो शेष देश के लोगों को निस्वार्थ भाव से आगे आने की जरूरत है। उल्लेख करना जरूरी है कि पंजाब के लोग हमेशा बेहद स्वाभिमानी रहे हैं। इस सीमावर्ती राज्य ने गाहे-बगाहे विभिन्न चुनौतियों का डटकर मुकाबला किया है। मध्यकाल में विदेशी आक्रांता रहे हों या आजादी के बाद पाकिस्तान के आक्रमण, पंजाबियों ने भारत की सुरक्षा ढाल बनकर जीवटता का परिचय दिया है। यहां जरूरी है कि किसी मदद से पहले पंजाबियों के स्वाभिमान का विशेष ख्याल रखा जाए। यूं तो इस आपदा की घड़ी में सेना के अलावा पंजाब के विभिन्न सामाजिक व राजनीतिक संगठन अपने स्तर पर लोगों को संकट से उबारने के काम में प्राणपण से लगे भी हुए हैं। लेकिन आपदा का बड़ा स्तर देखते हुए शेष देश से योगदान की उम्मीद की जा रही है। निस्संदेह, आपदा का दायरा बड़ा है, जिसमें राज्य के 23 जिलों में करीब तीन लाख से अधिक लोग जलप्लावन का त्रास झेल रहे हैं। बड़े पैमाने पर कृषि भूमि जलमग्न हुई है। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि संकट की इस घड़ी ने लोगों को स्वतरूस्फूर्त रूप में एकजुट किया है। पंजाबियों का जज्बा देखिए कि सरकारी मदद पहुंचने से पहले ही ग्रामीणों ने उफनते पानी में नावें उतार दीं। उन्होंने न केवल पड़ोसियों, बच्चों-बूढ़ों को बचाया, बल्कि पशुओं को बचाने के लिये भी भरसक प्रयास किए। सारी दुनिया में मानवता का पर्याय बने लंगर लगाए गए। जगह-जगह अस्थायी आश्रय स्थल बनाए गए। बिना किसी संकोच के राशन बांटा गया। निस्संदेह, पंजाबियों की यह भावना कोई पहली बार नहीं देखी गई। अपने देश में ही नहीं, विदेशों में भी मदद के तमाम प्रेरणादायक उदाहरण हमारे सामने हैं। अब चाहे तुर्की का भूकंप हो या केरल में प्राकृतिक आपदा का तांडव, पहले प्रतिक्रिया देने वालों के रूप में पंजाबियों की विशिष्ट पहचान रही है। खालसा एड, यूनाइटेड सिख्स, हेमकुंट फाउंडेशन और अनगिनत स्थानीय गुरुद्वारों से जुड़े संगठनों ने मुश्किल वक्त में तेजी से काम किया है। जरूरतमंद लोगों तक भोजन,पानी,दवा और चारा पहुंचाया है। गुरुदासपुर और कपूरथला में स्वयंसेवकों ने कमर तक गहरे पानी में जाकर संकटग्रस्त लोगों को बाहर निकाला है। इतना ही नहीं, पशु चिकित्सक ग्रामीण क्षेत्रों में फंसे मवेशियों की देखभाल कर रहे हैं। वित्तीय मदद भी मिल रही है, जिसे राज्य व केंद्र सरकार द्वारा अविलंब बढ़ाए जाने की जरूरत है। इसके साथ ही गैर सरकारी संगठन, परोपकारी लोग और यहां तक कि कलाकार भी लोगों की मदद व पुनर्वास का संकल्प ले रहे हैं। एक पंजाबी सेलिब्रिटी ने 200 घरों के लिये सहायता का वायदा किया है। जो इस बात का प्रमाण है कि कैसे सांस्कृतिक हस्तियां तबाही की विभीषिका कम करने के लिये सामुदायिक समूहों के साथ आगे आ रही हैं। निस्संदेह, इस संकट की घड़ी में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सेना, वायु सेना ने नावों, हेलीकॉप्टरों और राहत शिविरों के जरिये पीड़ितों को तात्कालिक राहत पहुंचाने का सराहनीय कार्य किया है।

राशिफल

मेषः- किसी श्रेष्ठजन के प्यार से मन प्रसन्न होगा। किसी की कटु वाणी मन को दुखित कर सकती है। उच्च महत्वकांक्षाएं व्यावसायिक क्षेत्र में अधिक परिश्रम के लिए प्रेरित करेंगी। आलस्य कतई न करें।

बृषभ :- भौतिक महत्वकांक्षाएं अभाव का एहसास कराएंगी। परिजनों से कुछ भावनात्मक अपेक्षाएं कष्टकारी हो सकती हैं। अच्छी योजनाओ द्वारा महत्वपूर्ण कायरें को समयानुकूल पूर्ण करेंगे।

मिथुन :- भावनाओं पर नियंतण्रख अपने दायित्वों के प्रति सजग होना प्रगति का सूचक है। बचकाना स्वभाव महत्वपूर्ण क्षेत्रों में एकाग्रता का अभाव पैदा करेगा। शिक्षा-प्रतियोगिता में परिश्रम का लाभ मिलेगा।

कर्क :- महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां अपनी पूर्ति हेतु मन पर दबाव बनाएंगी। कुछ नयी आकांक्षाएं मन पर प्रभावी होंगी। भौतिक-सुख साधन में व्यय संभव। परिजनों से किसी प्रकार की शिकायत पर खुलकर बात करें।

सिंह :- भावना से उद्वेलित मन निकट संबंधों के सुख-दुख के प्रति चिंतित होगा। पूर्वाग्रहवश संबंधियों के प्रति नकारात्मकता को न पालें। भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं मन में नकारात्मक विचार ला सकती हैं।

कन्याः- नये संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। पारिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा। जीविका क्षेत्र में मन आर्थिक सुदृढ़ता हेतु प्रयत्नशील होगा। रोजगार में व्यस्तता रहेगी किंतु जरूरी कार्य समय से पूर्ण करें।

तुलाः- कुछ नयी अभिलाषाएं आपको उत्साहित करेंगी। शासन-सत्ता की दिशा में केंद्रित लोगों को लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। किसी महत्वपूर्ण दायित्व की पूर्ति हेतु समुचित व्यवस्था हेतु मन चिंतित होगा।

वृश्चिकः- किसी पुराने संबंध के प्रति विशेष निकटता की अनुभूति करेंगे। क्षमता से अधिक जिम्मेदारियां अर्थिक सुदृढ़ता हेतु प्रेरित करेंगी। भावनाप्रधान मन रिश्तों से सहज ही प्रभावित हो जाता है।

धनुः- रोजगार क्षेत्र में आपकी महत्वपूर्ण योजनाएं सार्थक होती हुई नजर आएंगी। श्रेष्ठजनों से नजदीकियां पैदा होंगी। व्यावसायिक यात्राएं करनी पड़ सकती हैं। कुछ प्रबल इच्छाएं आपको उद्वेलित करेंगी।

मकरः- सामाजिक गतिविधियों में आपकी क्रियाशीलता बढ़ेगी।

अच्छी भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए समय अनुकूल रहेगा।

उमर खालिद को फिर नहीं मिली जमानत

2020 के दिल्ली दंगों में आरोपी बनाए गए उमर खालिद, शरजील इमाम, गुलफिशां फातिमा, अतहर खान, अब्दुल खालिद सैफी, मोहम्मद सलीम खान, शिफा-उर-रहमान, मीरान हैदर और शादाब अहमद की जमानत याचिका 2 सितंबर को दिल्ली हाईकोर्ट ने खारिज कर दी। जस्टिस नवीन चावला और जस्टिस शालिंदर कौर की बेंच ने यह फैसला लिया है। इन सब पर आरोप है कि ये सभी दिल्ली दंगे में किसी शबड़ी साजिशश का हिस्सा थे। अब ये साजिश कौन सी थी, उसका सच क्या है। क्या वाकई इन्हीं लोगों ने दंगे भड़काए, जैसा कि दिल्ली पुलिस का आरोप है या असल गुनहगार कोई और है, ये सारे खुलासे तो तभी हो पाएंगे जब मुकदमा चलना शुरू होगा। आश्चर्य है कि पिछले पांच सालों से उमर खालिद जेल में बंद हैं, लेकिन उन पर अब तक कोई मुकदमा चलाया नहीं गया है, जहां सुनवाई हो तो आरोपी भी अपना पक्ष रखे, अपने बचाव में तर्क प्रस्तुत करे। पांच सालों में देश और दुनिया में कितना, कुछ बदल गया है। एआई का इस वक्त ऐसा बोलबाला हो गया है कि स्क्रीन पर दिखने वाली कोई घटना, कोई किरदार असली है या नकली इसका पता ही नहीं चलता। सच और झूठ के बीच हमेशा से एक अदृश्य महीन रेखा होती है, जिसे अनुभवी लोग परख लेते हैं। लेकिन एआई ने इन अनुभवों को भी चुनौती दी है। ऐसे में दिल्ली दंगों का सच भी क्या पूरी तरह कभी सामने आ पाएगा, इसमें संदेह है। और जितना ज्यादा वक्त गुजरता जाएगा, सच पर झूठ की परतें चढ़ाना आसान हो जाएगा। इसलिए बेहतर तो यही होता कि इस मामले में मुकदमा चलना शुरू हो जाता। दिल्ली दंगों में ही एक और आरोपी तस्लीम अहमद की जमानत याचिका भी मंगलवार को खारिज हुई है, जिसकी सुनवाई दिल्ली हाईकोर्ट में जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद और जस्टिस हरीश वैद्यनाथन शंकर की खंडपीठ कर रही थी। इस बेंच का कहना है कि दिल्ली दंगों की बड़ी साजिश के मामले में विभिन्न समय पर मुकदमे में देरी के लिए आरोपी स्वयं जिम्मेदार हैं, न कि दिल्ली पुलिस या निचली अदालत। गौरतलब है कि करीब छह महीने पहले पूर्व मुख्य न्यायाधीश डी वाय चंद्रचूड़ ने पत्रकार बरखा दत्त को दिए एक साक्षात्कार में कहा था कि उमर खालिद को जमानत इसलिए नहीं मिली क्योंकि उनके वकील बार बार समय मांगते थे। वे मुकदमा शुरू नहीं होने देते और केस स्थगन की मांग जजों से करते थे। इस साक्षात्कार में जस्टिस चंद्रचूड़ ने यह भी कहा था कि सोशल मीडिया पर एक खास नजरिया सामने लाया जाता है, जबकि जजों के पास अपने बचाव के लिए कोई मंच नहीं है। बता दें कि मुख्य न्यायाधीश रहते हुए डी वाय चंद्रचूड़ ने ही बयान दिया था कि जमानत कोई अपवाद नहीं है, बल्कि एक नियम है और निचली अदालतों में इसे लागू करने में झिझक नहीं होनी चाहिए। उन्होंने अपने कार्यकाल में कई लोगों को जमानत दी और इस बात पर जोर दिया कि जमानत देने में उदारता बरती जानी चाहिए। लेकिन उनके मुताबिक दिल्ली दंगों में आरोपियों के वकील ही जमानत की राह में आड़े आ रहे हैं और यही विचार अब हाईकोर्ट के माननीय जजों ने व्यक्त किए। इस लिहाज से तो अब उमर खालिद समेत तमाम आरोपियों का पक्ष रखने वाले वकीलों को अपनी समीक्षा पर पुनर्विचार करना चाहिए ताकि अगली बार जमानत की अर्जी लगे तो उसे खारिज करने के नौबत न आए। बिना सुनवाई या सजा के पांच साल का लंबा वक्त जेल में गुजारना न्यायिक व्यवस्था के लिए आदर्श स्थिति नहीं है। पिछले साल अमेरिका के अखबार न्यूयार्क टाइम्स ने उमर खालिद को जेल पर पूरे पन्ने की स्टोरी प्रकाशित की थी, जिसमें मोदी सरकार पर तो गंभीर सवाल उठे ही थे, देश की न्यायिक व्यवस्था पर भी सवाल थे।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानवाधिकार के लिहाज से भारत की छवि कुछ खास अच्छी नहीं है और ऐसी घटनाएं इस दाग को और गहरा करती हैं। जहां तक उमर खालिद की जमानत इस बार खारिज होने का सवाल है, तो उनके वकील त्रिदीप पैस ने अदालत में तर्क दिया कि उनके खिलाफ आरोप बिना सबूत के हैं और पुलिस ने विरोध प्रदर्शनों को दंगों के साथ जोड़ने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि खालिद ने कोई हिंसा नहीं भड़काई और न ही वह दंगों के दौरान दिल्ली में मौजूद थे। पैस ने यह भी बताया कि खालिद ने एक व्हाट्सएप ग्रुप में केवल पांच संदेश भेजे थे, जिनमें से तीन गूगल मैप्स लोकेशन थे, और एक संदेश में उन्होंने पुलिस की ओर से विरोध प्रदर्शन को रद्द करने की अपील की थी।

कुछ खास...

हरित क्रांति के जरिये खाद्य सुरक्षा के सूत्रधार

भारतीय हरित क्रांति के जनक डॉ. मंकोम्बु शांबसिवन स्वामीनाथन का जन्मशताब्दी वर्ष 2025 राष्ट्र के लिए गर्व का क्षण है और भारत

के सर्वाधिक प्रभावशाली आनुवंशिकी वैज्ञानिक की शाश्वत विरासत का उत्सव भी। डॉ.एम. एस. स्वामीनाथन ने भारत को भुखमरी के कगार से उबारकर अनाज उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाया तथा स्थायी खाद्य सुरक्षा की मजबूत नींव रखी। आज की युवा पीढ़ी प्रो. स्वामीनाथन के आदर्शों, दृष्टि और विरासत से अपार प्रेरणा ले सकती है, जिससे यह जन्मशताब्दी केवल स्मरण का दिन न रहकर विज्ञान, कृषि, स्थिरता और सामाजिक समानता के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता से सीखने का एक अवसर बन जाती है। बता दें कि डॉ. स्वामीनाथन भारत रत्न से भी नवाजे गये थे वहीं वे सांसद भी रहे। डॉ. स्वामीनाथन का जन्म 7 अगस्त, 1925 को तमिलनाडु के कुम्भकोणम में हुआ था। साल 1943 के बंगाल में अकाल पड़ा जिसमें करीब 30 लाख लोगों की मौत हुई। इस त्रासदी ने बालक स्वामीनाथन को झकझोर दिया। उन्होंने निश्चय किया कि विज्ञान के माध्यम से भुखमरी की समस्या का समाधान ढूंढना है। उन्होंने जूलॉजी से कृषि-विज्ञान की ओर रुख किया और अपना जीवन राष्ट्र में खाद्य-सुरक्षा की खोज को समर्पित कर दिया। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई), नई दिल्ली से साइटोजेनेटिक्स में स्नातकोत्तर के बाद उन्होंने सिविल सेवा परीक्षा दी, जिसमें उनका चयन आईपीएस के लिए हुआ। लेकिन उन्होंने आईपीएस छोड़कर नीदरलैंड्स में यूनेस्को की आनुवंशिकी छात्रवृत्ति स्वीकार की। नीदरलैंड्स से आठ माह बाद स्वामीनाथन इंग्लैंड चले गए और कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के कृषि संकाय के प्लांट ब्रीडिंग संस्थान से पीएच.डी. प्राप्त की। इसके उपरांत अमेरिका के विस्कॉन्सिन विश्वविद्यालय में डेढ़ वर्ष पोस्ट-डॉक्टोरल शोध सहायक के रूप में कार्य किया। सन् 1954 में डॉ.स्वामीनाथन उस समय भारत लौटे जब देश गंभीर अनाज संकट और विदेशी आयातों पर भारी निर्भरता से जूझ रहा था। साल 1960 के शुरूआती दशक में उन्होंने महान अमेरिकी कृषिविद् डॉ.नॉर्मन बोरलॉग के साथ हाथ मिलाया, जिन्हें व्यापक रूप से हरित क्रांति के जनक के रूप में जाना जाता है। डॉ.बोरलॉग और डॉ.स्वामीनाथन ने मिलकर उच्च उत्पादकता वाली और रोग-रोधी गेहूं की किस्मों पर अनुसंधान का मार्ग प्रशस्त किया, जिसने भारतीय कृषि को नई दिशा प्रदान की। जहां डॉ.बोरलॉग की मैक्सिको में विकसित अर्ध-बौनी गेहूं की किस्मों ने पहले ही भुखमरी से पीड़ित अनेक देशों को बचाया था, वहीं डॉ.स्वामीनाथन ने इन किस्मों को भारतीय मिट्टी, जलवायु और खेती की पद्धतियों के अनुरूप ढालकर परिष्कृत किया। यह साझेदारी भारत की हरित क्रांति की चिंगारी भी बनी, जिसने खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भरता सुनिश्चित की हरित क्रांति भारत के लिए जीवनदायिनी साबित हुई। देश में खाली अनाज भंडार, कम उपज देने वाली फसलें और विदेशी सहायता पर अस्वस्थ निर्भरता थी। ऐसे समय में डॉ.स्वामीनाथन द्वारा प्रस्तुत नई उच्च उपज किस्म (एचवाईवी) के बीजों ने भारतीय किसानों को वर्षों बाद भरपूर फसल का अनुभव कराया।

अमिताभ बच्चन ने अनुराग कश्यप की फिल्म निशानची का ट्रेलर किया शेयर, भेजा प्यार भरा संदेश

निशानची साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है, जिसमें ऐश्वर्या ठाकरे और वेदिका पिंटो ने अभिनय की दुनिया में कदम रखा है। इस फिल्म का निर्देशन प्रशंसित फिल्म निमार्ता अनुराग कश्यप ने किया है, जो कई कल्ट क्लासिक फिल्में देने के लिए जाने जाते हैं। एक नई और होनहार जोड़ी और इस क्राइम ड्रामा में कश्यप की अपनी कच्ची

और गंभीर कहानी कहने की शैली के साथ, फिल्म को लेकर चचाएँ बेकाबू हो गई हैं। हाल ही में रिलीज हुआ ट्रेलर सभी प्लेटफॉर्म पर ट्रेंड कर रहा है और दर्शकों, आलोचकों और यहाँ तक कि बॉलीवुड सितारों से भी सराहना बटोर रहा है। इस उत्साह को और बढ़ाते हुए, भारतीय सिनेमा के महानायक अमिताभ बच्चन ने अब निशाँची की टीम को अपनी शुभकामनाएं दी हैं। अपने सोशल मीडिया पर ट्रेलर शेयर करते हुए, बिग बी ने लिखा, मेरी शुभकामनाएँ। खुद मेगास्टार का आशीर्वाद इस बात का सबूत है कि फिल्म का ट्रेलर वाकई प्रभावशाली है।निशानची के ट्रेलर में ऐश्वर्या ठाकरे जुड़वाँ भाइयों बबलू और डबलू की दोहरी भूमिका में नजर आ रहे हैं, जो दिखने में एक जैसे हैं, लेकिन मूल्यों में जमीन-आसमान का फर्क है। 2000 के दशक की शुरूआत में उत्तर प्रदेश के एक छोटे से शहर में स्थापित, यह फिल्म प्रेम, प्रतिद्वंद्विता और भावनाओं को एक्शन, रोमांस, ड्रामा और टकराव के साथ बुनती है, जो अनुराग कश्यप की कच्ची, गंभीर कहानी कहने की सशक्त वापसी को दशार्ती है। ऐश्वर्या ठाकरे के दमदार अभिनय करियर की शुरूआत के साथ, इस फिल्म में वे एक सशक्त दोहरी भूमिका में हैं, जिसमें वेदिका पिंटो, मोनिका पंवार, मोहम्मद जीशान अय्यूब और कुमुद मिश्रा भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। जार पिक्चर्स के बैनर तले अजय राय और रंजन सिंह द्वारा निर्मित और फ्लिप फिल्म्स के सहयोग से निर्मित, निशानची का निर्देशन अनुराग कश्यप ने किया है और इसे प्रसून मिश्रा, रंजन चंदेल और खुद कश्यप ने लिखा है।

हरिद्वार के डिलीवरी बॉय के यूनिक वीडियो स्टाइल की फैन हुई प्रियंका चोपड़ा, कमेंट कर दी बधाई

सोशल मीडिया पर हर दिन कोई ना कोई नया चेहरा सामने आता है, लेकिन कुछ लोग अपनी अलग और अनोखी स्टाइल से लोगों का खूब अटेंशन खींचते हैं। ऐसा ही एक नाम है बेंजामिन रायन गौतम का, जो हरिद्वार के हैं और पार्ट-टाइम ब्लिंकिट में डिलीवरी का काम

करते हैं। बेंजामिन ने हाल ही में अपनी मजेदार और यूनिक वीडियो स्टाइल से इंस्टाग्राम पर धूम मचा दी है। खास बात तो ये है कि उनके इस वीडियो स्टाइल की एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा भी फैन हो गई हैं। बेंजामिन की ज्यादातर वीडियो की शुरूआत एक स्टील के गिलास को हाथ में लेकर उनके फेमस डायलॉग इट्स दिहाड़ी टाइम से होती है। उनके इस अंदाज ने सोशल मीडिया यूजर्स के दिलों में खास जगह बना ली है। जहां दूसरे कंटेंट क्रिएटर्स अपने वीडियो में हाई-एंड ट्रांजिशन और प्रीमियम सेटअप का इस्तेमाल करते हैं, वहीं बेंजामिन का कंटेंट बेहद साधारण, मजेदार और सच्चाई से जुड़ा होता है। हाल ही में बेंजामिन के इंस्टाग्राम अकाउंट पर 1 लाख फॉलोअर्स पूरे हुए। इस खास मौके पर उन्होंने एक केक काटकर अपने फॉलोअर्स और भगवान का शुक्रिया अदा किया। इसी सेलिब्रेशन वीडियो को लोगों ने खूब पसंद किया। इसी बीच पर बॉलीवुड और हॉलीवुड सुपरस्टार प्रियंका चोपड़ा जोनस ने भी कमेंट किया और खुद को बेंजामिन का फैन बता डाला। प्रियंका ने कमेंट किया, बधाई हो... मैं तुम्हारी फैन हूं! प्रियंका के इस कमेंट के बाद बेंजामिन की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उन्होंने जवाब में लिखा दष्कोई मुझे चुटकी काटो, ये कोई सपना तो नहीं। प्रियंका चोपड़ा मैम ने मुझे बधाई दी है।

शायद मेरा देशभक्ति से पिछले जन्म का कोई कनैक्शन, ऐसे ही रोल ऑफर होते हैं: मधुरिमा तुली

फिल्म बेबी से दर्शकों के दिलों में अपनी पहचान बनाने वाली अभिनेत्री मधुरिमा तुली हाल ही में फिल्म तेहरान में नजर आईं। जी5 पर रिलीज हुई इस फिल्म में उनके अभिनय की जमकर सराहना हो रही है। लंबे ब्रेक के बाद बड़े पर्दे पर वापसी करने वाली मधुरिमा ने खास बातचीत की। पेश हैं बातचीत के मुख्य अंश प्रश्न 1 फिल्म तेहरान को और उसमे आपके काम की तारीफ हो रही है। कैसा महसूस कर रही हैं? जवाबः बहुत अच्छा लग रहा है। सच कहूं तो तीन साल लगे इस फिल्म को रिलीज होने में और जब इतनी मेहनत के बाद दर्शकों से इतना प्यार मिल रहा है तो दिल खुश हो जाता है। मुझे बहुत सारे मैसेज आ रहे हैं तारीफें मिल रही हैं। यह सब थोड़ा ओवरव्हेल्मिंग है लेकिन बहुत ही अच्छा लग रहा है। प्रश्न 2 इतने लंबे गैप के बाद फिल्म स्पेस में लौटना था घबराहट तो रही होगी? जवाबः बिल्कुल थी। सोच रही थी कि मेरा रोल कितना प्रभावशाली होगा या लोग उसे पसंद करेंगे भी या नहीं। आजकल का दौर ऐसा है कि जो दिखता है वही बिकता है। लेकिन भगवान की कृपा है कि सब अच्छा हुआ और दर्शकों को फिल्म व मेरा किरदार पसंद आया। ये एक ऐसी फिल्म जो आज कल लोगों को दे खनी पसंद आती है। प्रश्न 3 फिल्म तेहरान से जुड़ने का मौका कैसे मिला? जवाबः मैं उस समय कु छ म्यू जिक वीडि योज कर रही थी और लगातार ऑडिशन व लुक टेस्ट दे रही थी। तभी मेरे मैनेजर को कॉल आया। प्रोडक्शन हाउस को मेरी तस्वीरें भेजी गई थीं और उन्हें याद आया कि मैं बेबी में थी। उन्होंने लुक टेस्ट के लिए बुलाया और फिर मुझे कुछ सीन दिए। रोल छोटा था लेकिन असरदार था, तो मैंने तुरंत हां कर दी।दो हफ्ते इंतजार करना पड़ा और आखिरकार गुड न्यूज मिल गई। प्रश्न 4 देशभक्ति जैसी फिल्मों में अक्सर कहानी हीरो या नेशन पर केंद्रित होती है। ऐसे में कभी लगा कि आपका किरदार दब जाएगा? जवाबः नहीं, मुझे ऐसा बिल्कुल नहीं लगा। मेरा मानना है कि आर्मी ऑफिसर्स या कॉप्स की जिंदगी में उनका परिवार बहुत अहम भूमिका निभाता है। फिल्म में मेरे किरदार वंदना की भी कहानी बहुत अहम है। वह एक महत्वपूर्ण जानकारी देती है जिससे कहानी आगे बढ़ती है। इसलिए मुझे असुरक्षा महसूस नहीं हुई। प्रश्न 5 फिल्म की शूटिंग का अनुभव कैसा रहा? जवाबः शुरूआत में बहुत नर्वस थी। डर था कि कहीं कैमरे के सामने ब्लैंक न हो जाऊं क्योंकि सेट पर काफी सारे लोग होते हैं, आपके को-एक्टर्स होते है लेकिन जब आप तैयारी करके जाते हैं तो चीजें आसान हो जाती हैं। निर्देशक और सह-कलाकारों ने बहुत मदद की। उनकी वजह से काम आराम से और अच्छे से हो गया। प्रश्न 6 छोटे रोल के बावजूद आपकी खूब तारीफ हो रही है। यह सुनकर कैसा लगता है? जवाबः सच बताऊं तो शब्द कम पड़ जाते हैं जब इतने बड़े-बड़े किरदारों के बीच मेरा भी नाम आ रहा है तो बहुत खुशी होती है। दर्शकों का प्यार ही असली इनाम है। आपको बताऊं कि लोग मुझे डीएम में पूछते थे कि कहां थी अब तक।मैसेजेस आते रहते थे। मैंने बीच-बीच में कुछ काम किया, लेकिन मुझे ऐसे प्रोजेक्ट का इंतजार था। अब जब मिला है, तो खुशी है। प्रश्न 7 आपकी फिल्मोग्राफी देखें तो ज्यादातर देशभक्ति से जुड़ी फिल्में हैं- बेबी, नाम शबाना, अवरोध और अब तेहरान। क्या यह इत्तेफाक है? जवाबः शायद मेरा देशभक्ति से कोई पिछले जन्म का कोई कनेक्शन है। सच कहूं तो मुझे ऐसे ही प्रोजेक्ट ऑफर होते हैं। जैसे बेबी, नाम शबाना, अवरोध और अब तेहरान तो मुझे ऐसे ऑफर आते रहे और मेरी किस्मत की वो अपने आप पसंद आते गए और मैं उन्हें चुनने लगी। कभी-कभी तो लगता है कि किस्मत भी आपके जीवन में बड़ी भूमिका निभाती है जो मैं तकरीबन 10 साल बाद वापस आई वो भी इस प्रोजेक्ट के साथ और मुझे इस रोल ने काफी एक्साइट किया जो मैंने इसे किया। प्रश्न 8 आजकल सोशल मीडिया का जमाना है।

कंतारा: चैप्टर 1 में ऋषभ शेट्टी ने बिना बॉडी डबल दिए खतरनाक स्टंट

होम्बले फिल्म्स की कंतारा चैप्टर 1 सबसे ज्यादा इंतेजार की जाने वाली फिल्मों में से एक है। 2022 में आई कंतारा की जबरदस्त सफलता के बाद, इसे बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त परफॉर्मेंस के कारण सबसे बड़ी स्लीपर हिट का दर्जा दिया गया। ऐसे ने अब इसका प्रीक्वल उस लेगेसी को आगे ले जाने का वादा करता है, जिससे दर्शकों का उत्साह और भी ज्यादा बढ़ गया है। साल की सबसे बड़ी फिल्म होने के नाते, ऋषभ शेट्टी कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं और उन्होंने अपने सभी स्टंट खुद बिना किसी बॉडी डबल के किए हैं। कंतारा चैप्टर 1 के एक्शन-स्टंट कोरियोग्राफर अर्जुन राज ने बताया कि, हमने ऋषभ के लिए बॉडी डबल का इस्तेमाल नहीं किया।

उन्होंने बिना किसी मदद, खुद अपने स्टंट किए हैं। उनका बॉडी लैंग्वेज इतना अलग है कि कोई डुप्लीकेट कॉपी नहीं कर सकता। उन्होंने कलारिपयट्टु, तलवारबाजी और घुड़सवारी की ट्रेनिंग ली है। इसके बावजूद जो रिस्क उन्होंने उठाए, वो सिर्फ उनकी हिम्मत और जज्बे से संभव हुआ है। मैंने कई एक्टर्स के साथ काम किया है, लेकिन ऋषभ सिर्फ इतना नहीं कहते कि मैं अपनी तरफ से पूरी कोशिश करूंगा, बल्कि वो कहते हैं मैं जब तक जिंदा हूं, मैं करूंगा। यही स्पिरिट सबकुछ बदल देती है। होम्बले फिल्म्स की कंतारा चैप्टर 1 सबसे बड़ी और महत्वाकांक्षी फिल्मों में से एक है। इसकी क्रिएटिव टीम की बात करें तो इसमें म्यूजिक डायरेक्टर बी. अजनीश लोकनाथ, सिनेमैटोग्राफर अरविंद कश्यप और प्रोडक्शन डिजाइनर विनेश बंगालन शामिल हैं, जिन्होंने मिलकर इस फिल्म के विजुअल से लेकर इमोशनल नैरेटिव को खूबसूरती से आकर दिया है।इसके अलावा, होम्बले फिल्म्स 2022 की इस ब्लॉकबस्टर फिल्म की विरासत को आगे ले जाने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। मेकर्स ने कंतारा चैप्टर 1 के लिए नेशनल और इंटरनेशनल स्पेशलिस्ट के साथ एक बड़ा वॉर सीक्वेंस तैयार किया है, जिसमें 500 से ज्यादा कुशल फाइटर्स और 3,000 लोग शामिल हैं। ध्यह सीक्वेंस 25 एकड़ में फैले एक पूरे शहर में, ऊबड़-खाबड़ इलाके में 45-50 दिनों के दौरान फिल्माया गया था, जो इसे भारतीय सिनेमा के इतिहास में सबसे बड़े सीक्वेंसेज में से एक बनाता है।यह फिल्म 2 अक्टूबर को दुनिया भर में कन्नड़, हिंदी, तेलुगु, मलयालम, तमिल, बंगाली और अंग्रेजी भाषाओं में रिलीज होगी। यह अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहते हुए भी अलग-अलग भाषाओं और क्षेत्रों के दर्शकों तक पहुँचेगी। फिल्म कंतारा चैप्टर 1 के साथ, होम्बले फिल्म्स भारतीय सिनेमा की सीमाओं को आगे बढ़ा रही है। यह फिल्म लोककथाओं, आस्था और सिनेमा की शानदार कारीगरी का जश्न मनाती है।

एड़ियों-टखनों में अक्सर रहती है दर्द और सूजन? न करें इग्नोर, लिवर-दिल की बीमारियों का हो सकता है संकेत

क्या आप जानते हैं कि एड़ियों और टखनों में होने वाली दिक्कतें भी गंभीर समस्याओं की तरफ इशारा हो सकती हैं, जिसे बिल्कुल भी अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए।एड़ियों के साथ-साथ टखनों में भी होने वाली दिक्कतों को भी अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए। कई बार ये हृदय रोग या लिवर की समस्याएं की तरफ भी इशारा हो सकता है।

लाइफस्टाइल और खान-पान की गड़बड़ी ने कई प्रकार की बीमारियों के खतरे को बढ़ा दिया है। डॉक्टर कहते हैं, अगर हम कम उम्र से ही दिनचर्या को ठीक रखने वाले उपाय कर लें तो इससे बीमारियों से बचाव हो सकता है, वहीं अगर जागरूकता के साथ शरीर के लक्षणों पर ध्यान दे लें तो इससे बीमारियों के गंभीर रूप लेने का जोखिम कम हो सकता है।बीमारियों की स्थिति में हमारा शरीर हमेशा छोटे-छोटे संकेत देता है, जिनपर अगर समय रहते ध्यान दे लिया जाए और इनका इलाज हो जाए तो गंभीर खतरों को टाला जा सकता है। उदाहरण के लिए आंखों में पीलापन (पीलिया) होना लीवर की बीमारियों का संकेत माना जाता है, तो अचानक से नजर धुंधली होना शुगर बढ़ने का संकेत माना जाता है।क्या आप जानते हैं कि एड़ियों और टखनों में होने वाली दिक्कतें भी गंभीर समस्याओं की तरफ इशारा हो सकती हैं, जिसे बिल्कुल भी अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए।

क्या आपको भी एड़ियों-टखनों में रहती है दिक्कत?

क्या आप जानते हैं कि अगर एड़ियां बार-बार फट रही हैं, तो ये सिर्फ ठंडे मौसम या धूल-मिट्टी की वजह नहीं है, बल्कि यह डायबिटीज, थायरॉइड या शरीर में खून की कमी की निशानी हो सकती है। एड़ियों में लगातार सूजन दिल या किडनी की गड़बड़ी का इशारा देती है। वहीं एड़ियों का दर्द कई बार गठिया या यूरिक एसिड बढ़ने की कहानी कहता है।एड़ियों के साथ-साथ टखनों में भी होने वाली दिक्कतों को भी अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए। कई बार ये हृदय रोग या लिवर की समस्याएं की तरफ भी इशारा हो सकता है।

टखनों में होने वाली समस्याओं को न करें अनदेखा

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, अगर आपके टखनों में अक्सर दर्द या सूजन की समस्या रहती है तो इसे अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए। अगर यह दर्द लंबे समय तक बना रहे, तो विशेषज्ञों का कहना है कि यह दो जानलेवा स्थितियों का संकेत हो सकता है - फैटी लिवर रोग या हार्ट फेलियर।टखनों में दर्द-सूजन की स्थिति को एडिमा के नाम से भी जाना जाता है। आमतौर पर रक्त वाहिकाओं में होने वाली समस्याओं के कारण ये दिक्कत होती है। हालांकि, अगर यह लंबे समय तक बना रहे, तो डॉक्टर की सलाह जरूर ले लेनी चाहिए।

हृदय रोग-हार्ट फेलियर का संकेत

टखनों में अगर सूजन या दर्द की समस्या काफी समय से बनी हुई है तो इसे इग्नोर न करें, ये हार्ट फेलियर का संकेत हो सकता है। हार्ट फेलियर तब होता है जब आपका हृदय शरीर में रक्त को ठीक से और प्रभावी ढंग से पंप नहीं कर पाता। डॉक्टरों का कहना है कि इसके कारण सीने में तकलीफ और सांस लेने में तकलीफ के अलावा पैरों, टखनों और टखनों में सूजन की भी दिक्कत हो सकती है।आमतौर पर कंजेस्टिव हार्ट फेलियर के कारण हृदय के एक या दोनों निचले कक्ष रक्त पंप करना बंद कर देते हैं। इसके कारण खून पैरों-टखनों में जमा होने लग जाता जाता है जिसके कारण इनमें सूजन और दर्द की दिक्कत हो सकती है।

लिवर रोग की बीमारी के कारण भी होती हैं ये दिक्कतें

टखनों में सूजन-दर्द की समस्या का एक कारण लिवर से संबंधित रोग-फैटी लिवर भी हो सकता है। फैटी लिवर रोग में आपके लिवर में अतिरिक्त चर्बी जमा होने लग जाती है।डॉक्टरों का कहना है कि एडिमा की समस्या पोर्टल हाइपरटेंशन के बढ़ते दबाव के कारण होती है, जो फैटी लिवर रोग से जुड़ी लिवर क्षति के कारण होता है। इस दबाव के कारण आसपास के ऊतकों में तरल पदार्थ जमा हो जाता है, जिससे सूजन आ जाती है। फैटी लिवर का समय पर पहचान और इलाज जरूरी है।

घर बैठे जानिए कितने स्वस्थ हैं फेफड़े? इस टेस्ट से मिनटों में मिलेगा रिजल्ट वो भी बिल्कुल फ्री

पिछले दो दशकों में भारत समेत कई देशों में अस्थमा, क्रॉनिक ऑब्स्ट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी), और फेफड़ों के कैंसर जैसी बीमारियों के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है।

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी ने कई तरह की बीमारियों का खतरा काफी ज्यादा बढ़ा दिया है। लाइफस्टाइल और खान-पान में गड़बड़ी के साथ प्रदूषित होता वातावरण भी इसका प्रमुख कारण माना जा रहा है। इसका सबसे ज्यादा नुकसान हमारे फेफड़ों को उठाना पड़ रहा है। यही कारण है कि पहले जहां सांस से जुड़ी बीमारियां ज्यादातर बुजुर्गों में दिखाई देती थीं, वहीं अब कम उम्र के लोग यहां तक कि बच्चे भी इसका शिकार होने लगे हैं। शोध बताते हैं कि पिछले दो दशकों में भारत समेत कई देशों में अस्थमा, क्रॉनिक ऑब्स्ट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) और फेफड़ों के कैंसर जैसी बीमारियों के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट बताती है कि हर साल लगभग 70 लाख लोगों की मौत वायु प्रदूषण से जुड़ी बीमारियों की वजह से हो जाती है।स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, कुछ सरल आदतें अपनाकर हम फेफड़ों को स्वस्थ रख सकते हैं। इसके अलावा समय-समय पर आपको अपने फेफड़ों का कार्यक्षमता की जांच भी करते रहना चाहिए। इसके लिए विशेषज्ञों की टीम ने बोल्ट (इडछळ) नामक एक उपाय के बारे में बताया है। आइए समझते हैं कि इससे फेफड़ों की सेहत का किस तरह से अंदाजा लगाया जा सकता है?

बोल्ट टेस्ट से जानिए फेफड़ों की सेहत का हाल

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, प्रदूषण के स्तर में होती बढ़ोतरी के चलते अब न केवल सांस लेना मुश्किल हो गया है, बल्कि यह आपके फेफड़ों के स्वास्थ्य पर भी भारी असर डालती है। इडछळ यानी ब्लड ऑक्सीजन लेवल टेस्ट स्कोर की मदद से ये जाना जा सकता है कि आपके फेफड़े कितने स्वस्थ हैं? और इन्हें कोई खतरा तो नहीं है। इडछळ (बॉडी ऑक्सीजन लेवल टेस्ट) एक सरल, घर पर किया जाने वाला परीक्षण है जो आपकी कार्बन डाइऑक्साइड सहनशीलता को मापता है। इससे यह पता चल सकता है कि आप कितनी देर तक आराम से अपनी सांस रोक सकते हैं। जितनी देर आप सांस रोक सकते हैं उससे आपके फेफड़ों की सहनशक्ति के बारे में पता चलता है।ये टेस्ट बिल्कुल आसान है और आप इसे घरपर ही करके आसानी से अपने फेफड़ों की शक्ति का अंदाजा लगा सकते हैं। बोल्ट स्कोर 10 से कम होना अलार्मिंग माना जाता है।

कैसे करें बोल्ट टेस्ट?

इस टेस्ट को करने के लिए सबसे पहले एक शांत और आरामदायक जगह ढूंढें जहां कोई व्यवधान न हो। इसके बाद अच्छी मुद्रा में सीधे बैठें जिसमें सांस लेना आपके लिए आसान हो।

एक सामान्य और लंबी सांस लें और आराम से सांस छोड़ें।

इसके बाद अब अपनी उंगलियों से नाक को बंद करें ताकि हवा आपके फेफड़ों में प्रवेश न कर सके और अपना टाइमर चालू करें।

जब आपको सांस लेने की इच्छा होने लगे और आपकी छाती अकड़ने लगे, तो टाइमर बंद कर दें। आपने जितने सेकेंड तक अपनी सांस रोकी, वह आपका बोल्ट स्कोर है।

टेस्ट को रोमांचक बनाने के लिए कुक-वॉन के सुझाव....

'मेडिकल सब्स्टीट्यूट मिले, नई गेंद कभी भी मिले'

एजेंसी

नई दिल्ली। कुक और वॉन दोनों के इन सुझावों ने एक बार फिर बहस छेड़ दी है कि क्या टेस्ट क्रिकेट को आधुनिक समय के अनुरूप और रोमांचक बनाने के लिए मौजूदा नियमों में बदलाव की जरूरत है।इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एलिस्टेयर कुक ने टेस्ट क्रिकेट के नियमों में बदलाव की मांग करते हुए सुझाव दिया है कि टीमों को 160 ओवरों के भीतर किसी भी समय नई गेंद लेने का विकल्प मिलना चाहिए। मौजूदा नियम के तहत नई गेंद केवल 80 ओवर पूरे होने के बाद ही ली जा सकती है। वहीं, इंग्लैंड के एक और पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने फिर से टेस्ट क्रिकेट में आपातकाल स्थिति में मेडिकल सब्स्टीट्यूट की बात कही है। कुक और वॉन दोनों के इन सुझावों ने एक बार फिर बहस छेड़ दी है कि क्या टेस्ट क्रिकेट को आधुनिक समय के अनुरूप और रोमांचक बनाने के लिए मौजूदा नियमों में बदलाव की जरूरत है।कुक, जिन्होंने 2018 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा था, का मानना है कि यह बदलाव खेल को और अधिक रोमांचक तथा रणनीतिक बना सकता है। उन्होंने ह्यस्टिक टू क्रिकेट पॉडकास्ट पर कहा, 'मैं टेस्ट क्रिकेट में एक नया नियम जोड़ना चाहूंगा। आप 160 ओवरों में जब चाहें नई गेंद ले सकते हैं। आपको उन 160 ओवरों के लिए दो नई गेंदें मिली हैं और आप जब चाहें दूसरी गेंद ले सकते हैं। आप चाहें तो 30 ओवर के बाद नई गेंद ले सकते हैं।'कुक का यह सुझाव इसलिए अहम माना जा रहा है

क्योंकि टेस्ट क्रिकेट में गेंद की स्थिति का खेल के नतीजे पर गहरा असर पड़ता है। नई गेंद आम तौर पर तेज गेंदबाजों को मदद देती है, जबकि पुरानी गेंद से स्पिनरों को फायदा होता है।

ऐसे में टीमों को अपनी रणनीति के अनुसार नई गेंद लेने की छूट मिलने पर मुकाबले और ज्यादा दिलचस्प हो सकते हैं।इसी पॉडकास्ट में इंग्लैंड के एक और पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने भी क्रिकेट के नियमों में बदलाव की जरूरत जताई। वॉन ने कहा कि अन्य खेलों की तरह क्रिकेट में भी चोटिल खिलाड़ी की जगह सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी को उतारने का प्रावधान होना चाहिए। उन्होंने हाल में समाप्त भारत-इंग्लैंड श्रृंखला का उदाहरण देते हुए कहा कि भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत पांव में फ्रैक्चर के बावजूद बल्लेबाजी करने उतरे थे, जबकि उनकी जगह ध्रुव जुरेल ने केवल विकेटकीपिंग की। वॉन के मुताबिक, मौजूदा नियमों में केवल ह्यकन्कशन सब्स्टीट्यूट की अनुमति है, जबकि सामान्य चोट के मामलों में यह सुविधा नहीं दी जाती।वॉन ने कहा, 'मान लीजिए कि मैच की पहली पारी में ऋषभ पंत के हाथ में चोट लग जाती है। वह बल्लेबाजी तो कर सकते हैं, लेकिन विकेटकीपिंग नहीं कर सकते। मौजूदा नियमों के अनुसार भारत ध्रुव जुरेल जैसे किसी अन्य विकेटकीपर को तब तक नहीं उतार सकता, जब तक कि वह कन्कशन का मामला न हो। हमारे पास कन्कशन के लिए सब्स्टीट्यूट का प्रावधान है तो फिर चोट लगने पर सब्स्टीट्यूट उतारने का प्रावधान क्यों नहीं है। अन्य खेलों में ऐसा होता है और इससे खेल की प्रतिस्पर्धा भी बनी रहती है।'

महिला एशिया कप हॉकी में नए सिरे से शुरूआत करने उतरेगी भारतीय टीम, पहला मैच इस टीम से

एजेंसी

नई दिल्ली। चीन (चार) के बाद भारत टूनार्मेंट की सर्वोच्च रैंकिंग वाली टीम है। एशिया कप अगले साल बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालिफाइंग टूनार्मेंट भी है।प्रमुख खिलाड़ियों की चोटों से परेशान भारतीय महिला हॉकी टीम अतीत की नाकामियों को भुलाकर शुक्रवार से शुरू हो रहे एशिया कप के पहले मैच में निचली रैंकिंग वाली थाईलैंड के खिलाफ जीत के साथ शुरूआत करने उतरेगी। विश्व रैंकिंग में नौंवे स्थान पर काबिज भारतीय टीम पूल बी के मैच में 30वीं रैंकिंग वाली थाईलैंड टीम से खेलेगी। भारत पूल में सर्वोच्च रैंकिंग वाली टीम है जिसमें जापान (12), थाईलैंड और सिंगापुर (31) भी है। पूल ए में चीन, दक्षिण कोरिया, मलयेशिया और चीनी ताइपे हैं।चीन (चार) के बाद भारत टूनार्मेंट की सर्वोच्च रैंकिंग वाली टीम है।

एशिया कप अगले साल बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालिफाइंग टूनार्मेंट भी है। थाईलैंड के बाद भारत का सामना शनिवार को जापान से और आठ सितंबर को सिंगापुर से होगा।अनुभवी गोलकीपर सविता और ड्रैग फ्लिकर दीपिका को लगी चोटों से भारतीय टीम कमजोर हुई है। सविता टखने की चोट के कारण बाहर है जो उन्हें अभ्यास सत्र के दौरान लगी थी। दीपिका की जगह साक्षी खेल रही हैं। फॉरवर्ड और ड्रैग फ्लिकर दीपिका ने पिछले कुछ अर्से में शानदार प्रदर्शन किया है। इन दोनों के नहीं खेलने से कप्तान सलीमा टेटे, नवनीत कौर, उदिता, नेहा, शर्मिला देवी और लालरेम्सियामी पर अधिक दारोमदार होगा।भारतीय महिला टीम का प्रदर्शन इस साल अच्छा नहीं रहा है और एफआईएच प्रो लीग के यूरोप चरण में आखिरी स्थान पर रहने के बाद टीम नीचे खिसक गई। भारत ने एशिया कप 2004 और 2017 में जीता है। भारत के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह को भी पता है कि प्रो लीग के खराब प्रदर्शन के बाद उन पर अच्छे प्रदर्शन का भारी दबाव होगा। भारत ने प्रो लीग के 16 मैचों में 100 से ज्यादा पेनल्टी कॉर्नर गंवाये जिनमे से 17 बेल्जियम के खिलाफ ही गंवा दिए। टूनार्मेंट में आठ टीमें भाग लेंगी और हर पूल से शीर्ष दो टीमें सुपर 4 चरण में पहुंचेंगी।

सुपर 4 चरण की शीर्ष दो टीमें 14 सितंबर को फाइनल खेलेंगी।भारतीय टीम : बांसरी सोलंकी और बिछू देवी खारीबम (गोलकीपर), मनीषा चौहान, उदिता, ज्योति, सुमन देवी, निक्की प्रधान, इशिका चौधरी, नेहा, वैष्णवी फाल्के, सलीमा टेटे (कप्तान), शर्मिला देवी, लालरेम्सियामी, सुनेलिटा टोप्पो, नवनीत कौर, रूतुजा पिसाल, ब्यूटी डुंगडुंग, मुमताज खान, साक्षी , संगीता कुमारी।

'जीएसटी सुधारों से अमेरिकी टैरिफ के असर की भरपाई में मिलेगी मदद'

एजेंसी

नई दिल्ली। जीएसटी सुधारों पर वित्तीय क्षेत्र के विशेषज्ञों ने कहा कि कहा कि पूंजी बाजार इन कदमों का स्वागत करता है और भारत की विकास यात्रा के अगले चरण में सहयोग देने के लिए तैयार है। साथ ही यह उभरते अमेरिकी टैरिफ के नकारात्मक प्रभाव के एक हिस्से को कम करने में मदद करेंगे।वित्तीय क्षेत्र के विशेषज्ञों ने जीएसटी सुधारों को विकास के लिए सकारात्मक बताया। उनका मानना है कि यह अमेरिकी टैरिफ से होने वाले कुछ नुकसान की भरपाई कर सकता है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के एमडी और सीईओ आशीष कुमार चौहान ने सुधारों को एक ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने कहा कि इन सुधारों से निश्चित रूप से आर्थिक विकास दर में और भी सुधार होगा।

पूंजी बाजार इन कदमों का स्वागत करता है

चौहान ने बदलावों के व्यापक प्रभावों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जीएसटी सुधारों से नागरिकों और व्यवसायों पर समग्र कर का बोझ कम होगा। इससे लाभप्रदता, उत्पादकता और निवेश को बढ़ावा मिलेगा, जो भारत की आर्थिक वृद्धि को गति प्रदान करते हैं।उनका यह भी मानना है कि इससे संरचनाओं को सरल बनाकर व औपचारिक अर्थव्यवस्था में व्यापक भागीदारी को प्रोत्साहित करके कर अनुपालन को मजबूत किया जा सकेगा। चौहान ने कहा कि पूंजी बाजार इन कदमों का स्वागत करता है और भारत की विकास यात्रा के अगले चरण में सहयोग देने के लिए तैयार है।

जीएसटी सुधार से कैसे होगा लाभ?

कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी के प्रबंध निदेशक नीलेश शाह ने जीएसटी स्लैब और दर युक्तिकरण के साथ-साथ प्रक्रिया में सुधार को सही दिशा में उठाया गया कदम बताया। शाह ने कहा कि जीएसटी की नवीनतम घोषणा से मुद्रास्फीति कम हुई है, विकास बढ़ा है, उपभोक्ता भावना में सुधार हुआ है, राजकोषीय समेकन का मार्ग बाधित नहीं हुआ है, व्यापार करने में आसानी हुई है और टैरिफ के प्रतिकूल प्रभावों में आंशिक रूप से कमी आई है।

अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव को कम करने में मिलेगी मदद

आईसीआरए लिमिटेड की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर का भी मानना है कि जीएसटी सुधार, उभरते अमेरिकी टैरिफ के नकारात्मक प्रभाव के एक हिस्से को कम करने में मदद करेंगे। नायर ने सुझाव दिया कि केन्द्र और राज्यों द्वारा छोड़े गए किसी भी राजस्व की भरपाई अन्य राजस्व स्रोतों या व्यय को युक्तिसंगत बनाकर प्रभावी रूप से की जानी चाहिए। **दूसरी छमाही में मामूली राजस्व हानि होने की संभावना**

सरकार का अनुमान है कि जीएसटी दर में कटौती से सरकार के खजाने पर शुद्ध रूप से 48,000 करोड़ रुपये का वित्तीय बोझ पड़ेगा।नायर ने कहा कि त्यौहारी अवधि की शुरूआत में जीएसटी युक्तिकरण के अपेक्षा से पहले कार्यान्वयन को देखते हुए, इस वित्तीय वर्ष की दूसरी छमाही में मामूली राजस्व की हानि होने की संभावना है।

फिडे ग्रैंड शतरंज में प्रज्ञानंद का सामना जैफ्री शियोंग से, बाकरोट से खेलेंगे गुकेश

एजेंसी

नई दिल्ली। शीर्ष वरीयता प्राप्त मैग्नस कार्लसन, फेबियानो कारुआना और हिकारू नकामूरा इसमें भाग नहीं ले रहे हैं।शीर्ष वरीयता प्राप्त भारत के नंबर एक खिलाड़ी आर प्रज्ञानंद फिडे ग्रैंड स्विस शतरंज के पहले दौर में अमेरिकी ग्रैंडमास्टर जैफ्री शियोंग से खेलेंगे, जबकि मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश की टक्कर फ्रांस के एटियेने बाकरोट से होगी। ओपन वर्ग में 116 और महिला वर्ग में 56 खिलाड़ी 855000 डॉलर इनामी राशि के लिये मुकाबला करेंगे जिसमें से 625000 डॉलर पुरस्कार ओपन वर्ग में होगा। यह टूनार्मेंट अगले कैंडिडेट्स टूनार्मेंट के लिये क्वालिफायर हैशीर्ष वरीयता प्राप्त मैग्नस कार्लसन, फेबियानो कारुआना और हिकारू नकामूरा इसमें भाग नहीं ले रहे हैं। कार्लसन को क्लासिकल शतरंज पसंद नहीं है और वह विश्व चैंपियनशिप नहीं खेलते हैं।

14 अक्तूबर को होगा सिंगापुर के खिलाफ एशिया कप का क्वालिफायर मैच, ये शहर करेगा मेजबानी

एजेंसी

नई दिल्ली। पहले चरण का मैच सिंगापुर के नेशनल स्टेडियम पर नौ अक्तूबर को खेला जाएगा। सिंगापुर इस समय एक जीत और एक ड्रॉ के साथ शीर्ष पर है, जबकि भारत एक ड्रॉ और एक हार के साथ सबसे नीचे है।भारतीय फुटबॉल टीम सिंगापुर के खिलाफ एएफसी एशिया कप ग्रुप सी के आखिरी दौर का क्वालिफायर मैच 14 अक्तूबर को खेलेगी। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी।

'खुशियों का दिन बना त्रासदी', बंगलूरू भगदड़ पर कोहली ने तोड़ी चुप्पी, दी पहली प्रतिक्रिया

एजेंसी

नई दिल्ली। इस साल चार जून को फ्छइ की क्छछ जीत के जश्न के दौरान बंगलूरू के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में भगदड़ मच गई थी, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई और कई घायल हुए। विराट कोहली ने पहली बार इस घटना पर प्रतिक्रिया दी है। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा...भारत और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (फ्छइ) के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने इस साल चार जून को बंगलूरू के चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हुए दर्दनाक हादसे पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। दरअसल, आरसीबी फ्रेंचाइजी की आईपीएल विजय यात्रा के दौरान चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भगदड़ मच गई थी। इस हादसे में 11 लोगों की जान चली गई थी और कई घायल हो गए थे। जो पल फ्छइ और उसके खिलाड़ियों के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि होना चाहिए था, वही दिन दुख और मातम में बदल गया। अब विराट कोहली ने इस मामले में पहली प्रतिक्रिया दी है।

कोहली का भावुक बयान

कोहली ने आरसीबी के 'एक्स' अकाउंट पर शेयर किए गए संदेश में कहा, 'जिंदगी में कुछ भी आपको ऐसे दिल टूटने के लिए तैयार नहीं करता, जैसा चार जून को हुआ। हमारी फ्रेंचाइजी के इतिहास का जो सबसे खुशी का दिन होना चाहिए था,वो एक त्रासदी में बदल गया।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं लगातार उन परिवारों के बारे में सोच रहा हूं और प्रार्थना कर रहा हूं, जिनसे हमने अपनों को खो दिया।और उन फैन्स के लिए भी जो घायल हुए। आपका नुकसान अब हमारी कहानी का हिस्सा है। हम सब मिलकर आगे बढ़ेंगे...देखभाल, सम्मान और जिम्मेदारी के साथ।' **जांच और जिम्मेदारी :** आधिकारिक जांच में यह सामने आया कि सोशल मीडिया पर भेजे गए निमंत्रणों के बाद लगभग 2.5 लाख फैन्स चिन्नास्वामी स्टेडियम पर उमड़ पड़े थे। पुलिस ने माना कि भीड़ नियंत्रण में वे बेहद कम पड़ गए और आरसीबी को इस हालात के लिए जिम्मेदार ठहराया गया। जांच में यह भी कहा गया कि उचित अनुमति और व्यवस्थाओं का अभाव इस भगदड़ की बड़ी वजह थी।

फ्छइ की प्रतिक्रिया और कदम

इस हादसे के बाद फ्रेंचाइजी ने मृतकों के परिजनों को 25-25 लाख रुपये मुआवजा देने की घोषणा की है। साथ ही, फ्रेंचाइजी ने आरसीबी केयर्स (फ्छइ उंशी२) नाम से एक फाउंडेशन शुरू किया है।

विश्व फिजियोथेरेपी दिवस पर हीमोफीलिया मरीजों में वितरित की गई फैक्टर ,किया जागरूक

गोरखपुर। विश्व फिजियोथेरेपी दिवस के अवसर पर दिनांक 8 सितंबर को गोरखपुर के रासीनगर चौधरी मैरेज लान में शिविर लगाकर कार्यक्रम को भव्य रूप से आयोजित किया गया। हीमोफिलिया वेलफेयर सोसायटी गोरखपुर एवं इंटास फाउंडेशन के तत्वाधान में हीमोफीलिया जागरूकता फैक्टर वितरण फीजियोथेरेपी कैम्प लगाया गया। जिसमें कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डा. रामकुमार जयसवाल प्रधानाचार्य बीआरडी मुख्य अतिथि सुधा मोदी वरिष्ठ समाजसेविका सीटी हास्पिटल के सीनियर फिजियोथेरेपिस्ट डा.प्रशांत शर्मा, इंटास फाउंडेशन से हिमांशु दुबे, हिमांशु गुप्ता दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुरूआत किया। कार्यक्रम में सभी मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथियों ने मरीजों को अपने संबोधन से जागरूक किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विश्व फिजियोथेरेपी दिवस पर अधिक से अधिक लोगों को हीमोफीलिया बिमारी से सम्बंधित जागरूक करना था फिजियोथेरेपी करके कैसे अपने जोड़ों को ठीक रख सके और स्वस्थ्य रखें वहीं मरीजों को निःशुल्क फैक्टर इंजेक्शन, हीमोफीलिया जांच और फिजियोथेरेपी किट वितरण किये गए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से राहुल जयसवाल, अपूर्वा भट्ट, अंशिका यादव, बुशरा फातिमा ,आंनद गोल्डी, संदीप, अनुराग, निखिल गुप्ता, अभिषेक, अंकुश, प्रभात राय, हीमोफीलिया वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष शैलेश गुप्ता आदि हीमोफीलिया मरीज और उनके परिवार उपस्थित रहे।

सरस्वती विद्या मंदिर शिक्षण संस्थान के संस्थापक स्वर्गीय नागेन्द्र सिंह दाढ़ी बाबा की 26 वीं पुण्यतिथि सरस्वती विद्या मंदिर सभागार में मनाई गई

गोरखपुर। सरस्वती विद्या मंदिर शिक्षण संस्थान के संस्थापक स्वर्गीय नागेन्द्र सिंह दाढ़ी बाबा की 26वीं पुण्यतिथि सरस्वती विद्या मदिर के सभागार में श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम में संस्था के पदाधिकारियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने बाबा को नमन करते हुए उनके आदर्शों को स्मरण किया ।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री एवं भाजपा विधायक राजेश त्रिपाठी कार्यक्रम अध्यक्ष डॉक्टर सत्या पांडेय पूर्व महापौर गोरखपुर रही ।इस अवसर पर दाढ़ी बाबा के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। विद्यालय परिवार की ओर से छात्र-छात्राओं को पुरस्कार प्रदान की गई। इसी क्रम में मुख्य अतिथि चिल्लू पार विधायक राजेश त्रिपाठी ने कहा कि दाढ़ी बाबा का जीवन शिक्षा संस्कार और समाज सेवा के लिए समर्पित रहा उन्होंने युवाओं से आव्हान किया कि वह उनके आदर्शों को आत्मसात कर समाज निर्माण में योगदान दें। कार्यक्रम अध्यक्ष सत्य पांडे पूर्व महापौर ने कहा कि दाढ़ी बाबा के त्याग और सेवा भाव से प्रेरणा लेकर संस्था निरंतर शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति कर रही है उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाली पीढ़ियां उनके बताएं गए मार्ग पर चलकर समाज को नई दिशा देगी ।उनके आदर्श आज भी आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करते हैं ।कमलावती देवी ज्ञान और पोषण फाउंडेशन एवं बाबा प्रभात फाऊंडेशन की तरफ से गरीबों में 100 किट का राशन वितरण किया गया ।बाबा प्रभात सिंह ने कहा स्वर्गीय नागेंद्र सिंह के जीवन एवं योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने समाज सुधार, शिक्षा प्रसार तथा निर्धनों के उत्थान के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया ।और कहा कि स्वर्गीय नागेंद्र सिंह ने ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा की अलख जगाने के साथ-साथ सामाजिक बुराइयों के खिलाफ संघर्ष किया। उनकी विचारधारा आज भी लोगों को प्रेरित कर रही है ।श्रद्धांजलि सभा में उनके अनुयायियों ने उनके पदचिह्नों पर चलने का संकल्प लिया। आयोजन समिति ने उपस्थित लोगों का आभार प्रकट किया ।इस अवसर पर सुधा देवी, आशा देवी, वेद प्रकाश त्रिपाठी, नितिन जालान, अफरोज आलम, संजय पति त्रिपाठी, मोतीलाल, शिवजी सिंह, सुरेन्द्र अग्रवाल, क्षेत्रीय प्रबंधक इफको कौशिक कुमार पांडेय उपस्थित रहे। प्रगतिशील किसान सम्मान समारोह में आए हुए व्यक्ति अनिल प्रजापति प्रतीक यादव मौजूद रहे। इस मौके पर अनेक गणमान्य लोग, शिक्षाविद् एवं पूर्व छात्र-छात्राएं भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सरस्वती विद्या मंदिर शिक्षण संस्थान के संस्थापक के भतीजे बाबा प्रभात कुमार सिंह ने किया ।तदुपरांत बाबा प्रभात फाउंडेशन तरंग टॉकीज के पास विशाल भंडारे का हुआ आयोजन जिसमें लगभग 10000 लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

हाथ-पैर ठंडे पड़ गये हैं और चेहरे पीले

ओपी राजभर के घर हमले पर अखिलेश का तंज

लखनऊ (संवाददाता)। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने योगी सरकार में पंचायती राज मंत्री और सुभासपा नेता ओम प्रकाश राजभर के घर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् के कार्यकताओं द्वारा हंगामे पर प्रतिक्रिया दी है।

सपा चीफ ने हमले को बीजेपी नीत एनडीए के भीतर गुटबाजी से भी जोड़ दिया है। सोशल मीडिया साइट एक्स पर अखिलेश ने लिखा कि भाजपा किसी की सगी नहीं है ।कल तक भाजपाइयों की ही परिषद बनाम वाहिनी हो रहा था, अब तथाकथित राजनीतिक सहयोगी के खिल्लाफ उनके आवासों तक पर प्रदर्शन करवा रही है। भाजपाइयों की दरारवादी सोच अब अपने गुट में भी दरार डाल चुकी है। भाजपा के सहयोगी बने लोगों को अब समझ में आ गया है कि इस्तेमाली पार्टी उनकी माली हालत तो सुधार सकती है मतलब उनके खजाने में माल तो दे सकती है परंतु मान कभी नहीं देगी क्योंकि भाजपा की साजिशन चाल ही यही है कि पहले इस्तेमाल करो, फिर बर्बाद करो। कन्नौज सांसद ने लिखा कि पुलिस अधिकारी सामान्य पुलिसकर्मियों को आगे करके भाजपा की अंदरूनी लड़ाई से बचना चाहते हैं। वर्चस्ववादी पुलिस अधिकारी एसी में बैठकर, भाजपाइयों के सामने अपना तो यस सर-यस सर कर रहे हैं लेकिन सड़कों पर भाजपा के आनुषंगिक संगी-सहयोगियों के अभद्र व्यवहार के बावजूद, अन्य कनिष्ठ पुलिसकर्मियों को भाई-भाई कहकर हाथ जोड़ने को मजबूर कर रहे हैं।

प्रदर्शन के बाद एबीवीपी के समर्थन में उतरे ओपी राजभर के बेटे अरुण राजभर, आंदोलन को ठहराया जायज

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर द्वारा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कार्यकताओं पर लाठी चार्ज को जायज ठहराने के बाद परिषद कार्यकताओं ने उनके सरकारी आवास पर बुधवार की देर रात विरोध प्रदर्शन किया। परिषद का विरोध बढ़ता देख दूसरे दिन गुरुवार को सुबह ओपी राजभर के बेटे अरविंद राजभर ने एबीवीपी के पक्ष में ट्वीट कर इस पूरे प्रकरण को ठंडा करने की कोशिश की है। गुरुवार को सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण राजभर ने कहा कि रामस्वरूप विश्वविद्यालय, बाराबंकी में ए.बी.वी.पी. से जुड़े एल.एल.बी. छात्रों पर प्रशासन द्वारा की गई कार्यवाही और लाठीचार्ज अत्यंत निंदनीय एवं शर्मनाक है। अभाविप हमेशा छात्रों के हित में कार्य करती है। शिक्षा के मंदिर में पढ़ाई करने वाले छात्रों के साथ इस प्रकार का बर्ताव किसी भी दृष्टिकोण से उचित नहीं ठहराया जा सकता। राजभर ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा बिना उचित अनुमति और मान्यता के एल.एल.बी. की पढ़ाई कराना छात्रों के भविष्य के साथ सीधा खिलवाड़ है। जब शिक्षा संस्थान ही इस तरह की अनियमितताओं में लिप्त होंगे तो छात्र अपने भविष्य को लेकर असुरक्षित महसूस करेंगे। यह केवल शैक्षणिक गलती नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ी के सपनों और करियर पर आघात है। उन्होंने कहा कि छात्रों पर लाठीचार्ज कर उनकी आवाज को दबाने की कोशिश करना लोकतांत्रिक मूल्यों का खुला उल्लंघन है। छात्रों की समस्याओं का समाधान वार्ता और संवाद से निकलना चाहिए, न कि बल प्रयोग से। अरुण राजभर ने सरकार से मांग की है कि पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय और निष्पक्ष जांच कराई जाए। दोषी अधिकारियों एवं विश्वविद्यालय प्रशासन पर कठोर कार्रवाई की जाए। छात्रों के भविष्य की रक्षा हेतु ठोस कदम उठाए जाएँ और शिक्षा की गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी सदैव छात्रों और युवाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध रही है और आगे भी छात्रों की हर लड़ाई में उनके साथ खड़ी रहेगी।

श्री रामस्वरूप मेमोरियल यूनिवर्सिटी पर मुकदमा दर्ज, बिना मान्यता लिया गया छात्रों का प्रवेश

लखनऊ (संवाददाता)। श्री रामस्वरूप मेमोरियल यूनिवर्सिटी में बिना मान्यता के दाखिले और लाठीचार्ज प्रकरण को लेकर अंततः प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। यूनिवर्सिटी के खिलाफ शहर कोतवाली बाराबंकी में उच्च शिक्षा परिषद के अपर सचिव डॉ. दिनेश कुमार की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया। आरोप है कि विश्वविद्यालय ने पिछले तीन वर्षों में बिना मान्यता के एलएलबी और बीबीए जैसे विधि पाठ्यक्रमों में का प्रवेश लिया। वर्ष 2025-26 के लिए छात्रों का पंजीकरण भी नियमावली के विपरीत पाया गया।

एबीवीपी कार्यकर्ताओं का लगातार तीसरे दिन बवाल

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में तीसरे दिन भी एबीवीपी कार्यकताओं ने बवाल किया। मंत्री ओमप्रकाश राजभर के बयान के विरोध में लखनऊ विश्वविद्यालय गेट संख्या-3 पर राजभर का पुतला फूंका और सरकार से उन्हें मंत्री मंडल से बाहर करने की मांग की। इसके बाद एबीवीपी कार्यकर्ता हजरतगंज स्थित गांधी प्रतिमा पर जुटे। यहां प्रदर्शन के दौरान उनकी पुलिस से जमकर नोकझोंक हुई। पुलिस ने कार्यकताओं को हिरासत में लेकर ईको गार्डन भेज दिया। राजभर ने एबीवीपी कार्यकताओं पर लाठीचार्ज का समर्थन करते हुए।

संक्षिप्त समाचार

संजय कुमार चतुर्वेदी बने अखिल भारतीय समाचार पत्र एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष

लखनऊ (संवाददाता)। अखिल भारतीय समाचार पत्र एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश चंद्र शुक्ला ने आज लखनऊ स्थित प्रदेश कार्यालय में संगठन की उत्तर प्रदेश इकाई की घोषणा करते हुए उत्तर प्रदेश राज्य मुख्यालय से मान्यता प्राप्त वरिष्ठ पत्रकार संजय कुमार चतुर्वेदी को उत्तर प्रदेश का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया। उन्होंने बताया कि मेरा पूर्ण विश्वास है कि विगत 34 वर्षों से राजधानी लखनऊ की पत्रकारिता में अपना सक्रिय योगदान दे रहे संजय कुमार चतुर्वेदी संगठन को विस्तार, अधिक सशक्त व नव स्वरूप प्रदान करेंगे। नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष संजय ने राष्ट्रीय अध्यक्ष का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हमारी नवगठित कार्यकारिणी राज्य में संगठन के विस्तार और और पत्रकारों की समस्याओं और उनके निराकरण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएगी।

शिक्षक दिवस आज, एक पेड़ गुरु के नाम

लखनऊ (संवाददाता)। यूपी की योगी सरकार ने पौधरोपण महाभियान-2025 में एक दिन में 36.21 करोड़ से अधिक पौध रोप कर नया रिकॉर्ड बनाया तो दूसरी तरफ विशिष्ट वनों की स्थापना की। विशिष्ट वनों का आगाज एकलव्य वन के साथ प्रारंभ हुआ तो एक पेड़ गुरु के नाम के तहत विशिष्ट आयोजन भी होगा। गुरु के सम्मान में 5 सितंबर को शिक्षक दिवस पर यह आयोजन किया जाएगा। लखनऊ में कुकरैल में वन विभाग के सेवानिवृत्त व वर्तमान अधिकारी पौधरोपण करेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने नया इतिहास रच दिया। श्एक पेड़ मां के नाम 2.0श थीम अंतर्गत पौधरोपण महाभियान-2025 में 9 जुलाई को एक दिन में 37,21,40,925 पौधे रोपे गये। यह सरकार के तरफ से तय किए गए लक्ष्य 37 करोड़ से 21,40,925 अधिक रहा। सीएम ने अयोध्या से अभियान का आगाज किया था। उन्होंने 9 जुलाई को आजमगढ़ और गोरखपुर में भी पौधरोपण किया था ।लखनऊ के प्रभागीय वनाधिकारी सितांशु पांडेय का दावा है, विशिष्ट वनों की श्रृंखला में शिक्षक दिवस पर लखनऊ के कुकरैल में पौधरोपण अभियान चलाया जाएगा। स्मृति वाटिका में भारतीय वन सेवा के सेवानिवृत्त व वर्तमान अधिकारी पौधरोपण करेंगे। अधिकारियों को स्मृति चिह्न के रूप में पौधे भी भेंट किए जाएंगे। दूसरी ओर वाराणसी की प्रभागीय वनाधिकारी स्वाति श्रीवास्तव के मुताबिक आईआईटी बीएचयू में एक पेड़ गुरु के नाम के तहत पौधरोपण होगा। पौधरोपण महाभियान के मिशन निदेशक दीपक कुमार ने बताया कि गुरु के सम्मान में 5 सितंबर को प्रदेश के सभी वन प्रभागों में एक पेड़ गुरु के नाम लगाया जाएगा।

अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल यूनिवर्सिटी का पहला दीक्षांत समारोह

लखनऊ (संवाददाता)। अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल यूनिवर्सिटी का पहला दीक्षांत समारोह मनाया गया। इसमें राज्यपाल आनंदीबेन पटेल पहुंचीं। उन्होंने कहा कि किसी भी यूनिवर्सिटी के लिए पहला दान किसान करता है। उसकी जमीन ली जाती है। किसानों की मदद नौकरी देकर की जाए। कॉलेजों की हर साल 5 लाख तक फीस बढ़ा देना गलत है।

अगर ऐसा कहीं होता है तो राजभवन आकर शिकायत करिए। समारोह में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और स्वास्थ्य राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण भी मौजूद रहे। दीक्षांत समारोह में कुल 74 मेधावियों को मेडल दिए गए। वंदे मातरम् के गायन से कार्यक्रम का आगाज हुआ। कुलपति संजीव मिश्रा ने कहा पीएम नरेंद्र मोदी के हाथों साल 2020 में इस विश्वविद्यालय का शिलान्यास किया गया था। सीबीएमआर के साथ एमओयू किया गया है। इसी सत्र से पीएचडी पाठ्यक्रम का आगाज हुआ है। डिजिटल लाइब्रेरी भी बनाई जा रही है। एआई में भी विश्वविद्यालय काम कर रहा है। 8526 स्टूडेंट्स की उपाधि डीजी लॉकर पर अपलोड कर दी गई है। यहां राज्यपाल ने उन्हें उपाधि। राज्यपाल कॉलेजों की बढ़ती फीस पर खफा हैं। बोलीं खुद से फीस बढ़ाने वालों के खिलाफ शिकायत करने के लिए राजभवन के दरवाजे हमेशा खुले हैं।

भारत की समृद्धि और समरसता के लिए छात्रों में स्व का भाव जरूरी:रमेश जी

गोरखपुर। सरस्वती शिशु मंदिर (10+2) पक्कीबाग, गोरखपुर में शिक्षक दिवस एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रमेश जी, प्रान्त प्रचारक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ गोरक्ष प्रान्त ने कहा कि भारत तभी समृद्ध और समरस बनेगा जब छात्रों में स्व का भाव होगा। उन्होंने कहा कि छात्रों के अन्दर कृतित्व, नेतृत्व कुशलता, व्यक्तित्व विकास, समझदारी और समर्पण जैसे पाँच गुणों का होना आवश्यक है। विद्या भारती के विद्यालय इन गुणों को संस्कारों के साथ शिक्षा में समाहित कर रहे हैं। उन्होंने आचार्य चाणक्य का उल्लेख करते हुए कहा कि शिक्षक राष्ट्र का निमार्ता होता है और छात्र वर्तमान का कर्ता व भविष्य का निमार्ता होता है। रमेश जी ने भारत की गौरवशाली परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि प्राचीन काल से भारत शिक्षा और ज्ञान का केंद्र रहा है। योग, दर्शन, गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान का ज्ञान भारत ने विश्व को दिया। भारत विश्व को परिवार मानता है, जबकि पश्चिमी देश इसे बाजार की दृष्टि से देखते हैं। इस अवसर पर बोर्ड परीक्षा (2024-25) में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले हाईस्कूल व इंटरमीडिएट के मेधावियों तथा खेल प्रतियोगिताओं में सफल छात्रों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलन और डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर पुष्पांजलि के साथ हुई। अध्यक्षीय उद्बोधन आत्मा सिंह, सह विभाग संघचालक ने दिया। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. अवधेश जी (प्रान्त प्रचार प्रमुख) एवं मनीष जी (भाग प्रचारक) उपस्थित रहे। समारोह का संचालन आचार्य श्री संभू नारायण कुशवाहा ने किया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधक संजय कुमार, कोषाध्यक्ष महेश गर्ग, प्रथम सहायिका रुक्मिणी उपाध्याय, गिरीशचन्द्र पाण्डेय, परीक्षा प्रमुख सहित विद्यालय परिवार, छात्र-छात्राएँ, अभिभावक व सम्मानित अतिथि उपस्थित रहे।

वीर शिरोमणि रुपन बारी सेवा संस्थान की बैठक, नई टीम का गठन

प्रयागराज। वीर शिरोमणि रुपन बारी सेवा संस्थान की बैठक रमाकांत रावत के आवास, महाराजा होटल में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष रमाकांत रावत ने की। बैठक में उन्होंने बारी लल्लू कुमार जानी को पुनः पाँच वर्षों के लिए अध्यक्ष बनाए जाने का प्रस्ताव रखा। इस प्रस्ताव का समर्थन लल्लू कुमार वर्मा ने किया। इसके बाद उपस्थित सभी सदस्यों-बारी श्री बसंतलाल बारी, हरी प्रसाद, अनिल कुमार लाल, मुकेश रावत, राजेंद्र प्रसाद बारी, अशोक रावत, अधीर रावत, राम नरेश रावत, प्रीति रावत, रवि शंकर रावत, भरत लाल, दुर्गा प्रसाद, अवधेश कुमार बारी आदि ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया। बैठक में प्रीति रावत को महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष और रवि कुमार एडवोकेट को उपाध्यक्ष चुना गया। वहीं बारी श्री बसंतलाल बारी को अधिकृत प्रवक्ता और वरिष्ठ उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस अवसर पर प्रमोद रावत और सिद्धार्थ शंकर ने पूरी समिति को समर्थन दिया। बैठक के दौरान सभी सदस्यों ने अपने-अपने विचार रखे और संस्थान को मजबूत बनाने के संकल्प के साथ बैठक का समापन हुआ।

डॉ. अशोक कुमार बने द ग्लोबल यूनिवर्सिटी ईटानगर के कुलसचिव

देवरिया। देवरिया जनपद के मूल निवासी डॉ. अशोक कुमार को द ग्लोबल यूनिवर्सिटी, ईटानगर (अरुणाचल प्रदेश) का कुलसचिव नियुक्त किया गया है। डॉ. अशोक कुमार की प्रारम्भिक शिक्षा रामपुर अवस्थी, देवरिया से हुई। स्नातकोत्तर उन्होंने बुद्ध पीजी कॉलेज, कुशीनगर से तथा पीएचडी दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय से प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने अमृत लाल महाविद्यालय, फरेन्दा तथा एस. आर. डिग्री कॉलेज, गोरखपुर में प्राचार्य पद पर अपनी सेवाएँ दीं। वर्तमान में वे द ग्लोबल यूनिवर्सिटी, ईटानगर में कुलसचिव के पद पर कार्यभार संभाल रहे हैं। डॉ. अशोक कुमार के पिता का नाम श्री दयाशंकर लाल एवं माता का नाम श्रीमती ऊर्मिला देवी है। वे परिवार में सबसे छोटे हैं। पारिवारिक जीवन में उनकी पत्नी और दो बच्चे हैं। उनकी इस उपलब्धि पर क्षेत्रवासियों और शैक्षिक जगत से जुड़े लोगों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएँ दी हैं।

शिक्षा माफियाओं पर अभाविप का प्रहार, 24 घंटे का अल्टीमेटम

गोरखपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) गोरखपुर इकाई ने शुक्रवार को मशाल यात्रा निकालकर श्रीराम स्वरूप मेमोरियल विश्वविद्यालय, बाराबंकी में शैक्षिक भ्रष्टाचार और छात्रों पर हुए लाठीचार्ज का विरोध किया। अभाविप कार्यकर्ताओं ने दोषी पुलिसकर्मियों, बाहरी गुंडों और विश्वविद्यालय प्रशासन पर कार्रवाई की मांग करते हुए सरकार को 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया। प्रांत मंत्री मयंक राय ने चेतावनी दी कि कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन प्रदेशव्यापी रूप से उग्र किया जाएगा।

कैंब्रिज विद्यालय व नवोदित इंटर कॉलेज में धूमधाम से मनाया गया शिक्षक दिवस

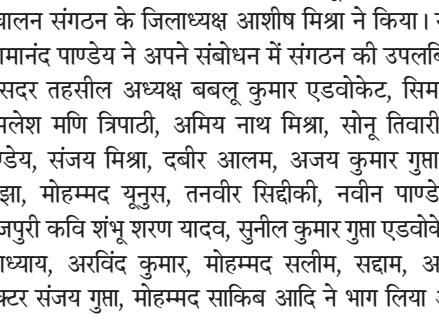

प्रयागराज। शंकरगढ़ नगर क्षेत्र के पंखा टोला स्थित कैंब्रिज हाई स्कूल एंड कॉलेज व नवोदित इंटर कॉलेज में शिक्षक दिवस बड़े धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती के पूजन व वंदना से हुई।

भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति व दूसरे राष्ट्रपति डॉक्टर राधाकृष्णन की प्रतिमा पर सभी शिक्षक व छात्रों ने माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित किए। इस अवसर पर बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति दी जिसने सबका मन मोह लिया ।विद्यालय के प्रबंधक संतोष त्रिपाठी जी ने शिक्षक दिवस पर अपने विचार रखते हुए कहा कि किसी भी देश या राष्ट्र की उन्नति में शिक्षक की भूमिका सर्वोपरि होती है। कार्यक्रम में कक्षा नौवीं की छात्राओं ने सामूहिक रूप से गुरुओं को समर्पित नृत्य प्रस्तुत किया। शिक्षिका रेखा सिंह ने "जीना है तो हँस के जियो" गीत की सुंदर प्रस्तुति देकर वातावरण को भावपूर्ण बना दिया। वहीं शिक्षक इमरान अहमद ने "गुरु कुम्हार शिष्य कुंभ है, गढ़ि-गढ़ि काढ़ै खोट, अंतर हाथ सहार दै बाहर बाहै चोट" दोहे के माध्यम से गुरुओं के महत्व को समझाया। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षकों ने अपने-अपने विचार रखें। इस अवसर कैंब्रिज कॉलेज के प्रशासनिक अधिकारी बालेंद्र पांडे, मनी शंकर दुबे, धर्मराज कुशवाहा, मनोज तिवारी, इमरान अहमद, पंकज मिश्रा, अखिल देशपांडे, राजेश गोस्वामी, पंकज श्रीवास्तव, दीपक केसरवानी, नरेश श्रीवास्तव,सौरभ प्रकाश, रेखा सिंह, मीरा श्रीवास्तव, रीना गोस्वामी,रीतू सुसारी,वंदना शुक्ला, सोमवती विश्वकर्मा,सिम्मी गुप्ता, मधु केसरवानी, प्रीति सेन,निहारिका सेन, अंजू गुप्ता,सीमा सिंह,कोमल त्रिपाठी,आभा मिश्रा, रूचि शुक्ला, ऊषा सिंह, पूनम द्विवेदी व नवोदित इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रताप बहादुर सिंह व समस्त स्टॉफ उपस्थित रहे।

आदर्श और निष्पक्ष पत्रकारिता के चलते आप हासिल करें अपना मुकाम:सरदार दिलावर सिंह

प्रांतीय अध्यक्ष डॉ सतीश चन्द्र शुक्ला का संगठन ने किया भावपूर्ण सम्मान

गोरखपुर। 'पत्रकारिता समाज व देश सेवा का सर्वोत्तम माध्यम है जिसमें आदर्श और निष्पक्ष पत्रकारिता के चलते आप अपना लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं।' उक्त बातें भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार समन्वय समिति व सोशल मीडिया पत्रकार महासंघ के संस्थापक राष्ट्रीय

अध्यक्ष सरदार दिलावर सिंह ने अपने संबोधन में कहीं। वे शहर के झारखंडी वार्ड में स्थित आरएसएम पब्लिक स्कूल के प्रांगण में संगठन के सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। सम्मान समारोह कार्यक्रम संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ सतीश चन्द्र शुक्ला को अंतर्राष्ट्रीय सार्क पत्रकारिता सम्मान मिलने के अवसर पर संगठन ने आयोजित किया था। यह सम्मान उन्हें विगत दिनों नेपाल की राजधानी काठमांडू में विश्व के अनेक देशों के प्रतिनिधियों के समक्ष नेपाल के पूर्व उप राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किया गया था। इस अवसर पर डॉ सतीश चन्द्र शुक्ला ने कहा कि हमारा संगठन देश विदेश में पत्रकारों के हितों के लिए काम कर रहा है और संगठन द्वारा किए गए आज के अपने सम्मान से मैं अभिभूत हूं। मेरी हार्दिक इच्छा है कि आप भी आदर्श और निष्पक्ष पत्रकारिता के बदौलत इस मुकाम पर पहुंचें। कार्यक्रम आयोजक संगठन के मंडल प्रभारी आकाशवाणी के पत्रकार कृष्ण चंद्र चौधरी ने इस अवसर अपने अध्यक्षीय संबोधन में सभी को अपने और पत्रकार साथियों को जोड़ कर संगठन को और मजबूत बनाने की अपील की। कार्यक्रम का सफल संचालन संगठन के जिलाध्यक्ष आशीष मिश्रा ने किया। संगठन के देवरिया जिला अध्यक्ष श्यामानंद पाण्डेय ने अपने संबोधन में संगठन की उपलब्धियां के बारे में बताया। कार्यक्रम में सदर तहसील अध्यक्ष बबलू कुमार एडवोकेट, सिमरजीत सिंह, अनिल कुमार सिंह, कमलेश मणि त्रिपाठी, अमिय नाथ मिश्रा, सोनू तिवारी, संगम कुमार तिवारी, रमाकांत पाण्डेय, संजय मिश्रा, दबीर आलम, अजय कुमार गुप्ता, मोहम्मद अजीज खान, अमित ओझा, मोहम्मद यूनुस, तनवीर सिद्दीकी, नवीन पाण्डेय, जोगिंदर सिंह, राकेश शर्मा, भोजपुरी कवि शंभू शरण यादव, सुनील कुमार गुप्ता एडवोकेट, गणेश जी उपाध्याय, विश्वनाथ उपाध्याय, अरविंद कुमार, मोहम्मद सलीम, सद्दाम, अमित कुमार भारती संगम तिवारी डॉक्टर संजय गुप्ता, मोहम्मद साकिब आदि ने भाग लिया और अपने विचार रखे।

Students must embrace the spirit of 'Self' for India's Prosperity and Harmony – Ramesh Ji

Gorakhpur | On the occasion of Teachers' Day and Talent Felicitation Ceremony, a grand program was organized at Saraswati Shishu Mandir (10+2), Pakkibagh, Gorakhpur. The chief guest, Ramesh Ji, Prant Pracharak, Rashtriya Swayamsevak Sangh – Gorakh Prant, emphasized that India will attain true prosperity and harmony only when students cultivate the spirit of 'Self' (Swabhav & Swadharma).

He highlighted five essential qualities for students – creativity, leadership skills, personality development, wisdom, and dedication – and praised Vidya Bharati schools for imparting education integrated with values and culture. Quoting Acharya Chanakya, he said, "A teacher is the maker of the nation, while a student is the doer of the present and the architect of the future."

Recalling India's glorious educational heritage, Ramesh Ji noted that ancient India was the guiding light of the world in knowledge and wisdom. Disciplines like Yoga, philosophy, mathematics, science, and social sciences were first gifted to the world by India. "India sees the world as one family, while the Western world views it as a marketplace," he added.

On this occasion, meritorious students of the 2024–25 board examinations (High School and Intermediate) as well as winners of various sports competitions were honored.

The program began with the lighting of the ceremonial lamp and floral tributes to Dr. Sarvepalli Radhakrishnan. The presidential address was delivered by Atma Singh, Sah-Vibhag Sanghchalak. Distinguished guests included Dr. Awadhesh Ji (Prant Prachar Pramukh) and Manish Ji (Bhag Pracharak, Dakshin Bhag).

The ceremony was conducted by Acharya Shambu Narayan Kushwaha. Also present were Sanjay Kumar (Manager), Mahesh Garg (Treasurer), Rukmini Upadhyay (First Sahayika), Girish Chandra Pandey (CBSE Examination Head) along with honored students, parents, and the entire school family.

Vice-President election: In boost to NDA's Radhakrishnan, BJD to abstain from voting

Bhubaneswar: The Naveen Patnaik-led Biju Janata Dal (BJD) has decided to abstain from voting in the Vice-Presidential election scheduled for Tuesday, in which the ruling BJP-led NDA's candidate C P Radhakrishnan is pitted against the Opposition alliance's nominee Justice (retired) P Sudershan Reddy. "BJD president (Patnaik), after holding thorough discussions with our senior leaders and members of Political Affairs Committee (PAC) and Rajya Sabha MPs, has decided to abstain from the Vice-Presidential election tomorrow. The BJD remains equidistant from both the NDA and INDIA alliances. We are focusing on the development and welfare of the 4.5 crore people of Odisha," said Sasmit Patra, leader of the BJD in the

Upper House. BJD sources said Patnaik, who has been in Delhi for the past few days, met a group of the party MPs before taking the call to stay away from voting. He also recently held a PAC meeting to discuss the party's stand over the Vice-Presidential poll. Sources said a majority of the senior BJD leaders suggested that the party should oppose the NDA nominee while leaving it to Patnaik to take the final call. The BJD is the principal Opposition party in Odisha being ruled by the BJP. Sources also said that even though an influential BJD section tried to convince Patnaik to support Radhakrishnan, the decision to stay away from voting was finally taken considering the majority view within the party that favoured voting against the NDA candidate. "Though the decision to stay away from voting is like a tactical support to the NDA nominee, this would have been embarrassment for the BJD leaders and cadres had the party announced its support for the NDA nominee.

Dr. Ashok Kumar Appointed as Registrar of The Global University, Itanagar

Deoria | Dr. Ashok Kumar, a native of Deoria district, Uttar Pradesh, has been appointed as the Registrar of The Global University, Itanagar (Arunachal Pradesh).

Dr. Ashok Kumar completed his early education from Rampur Awasthi, Deoria. He pursued his postgraduate studies at Buddha P.G. College, Kushinagar, and obtained his Ph.D. from Deen Dayal Upadhyay Gorakhpur University. He served as Principal at Amrit Lal Mahavidyalaya, Pharenda, and S.R. Degree College, Gorakhpur, before taking charge as Registrar at The Global University, Itanagar. He is the youngest in his family. His father's name is Shri Dayashankar Lal and mother's name is Smt. Urmila Devi. Dr. Ashok Kumar is married and blessed with two children. His appointment has been widely appreciated, with people from the academic community and his hometown congratulating him on this achievement.

Not citizenship proof': SC directs poll panel to accept Aadhaar as 12th document in Bihar SIR

New Delhi | The final electoral roll for Bihar is scheduled to be published on September 30. (File)The final electoral roll for Bihar is scheduled to be published on September 30. (File) The Supreme Court Monday directed the Election Commission of India (ECI) to accept Aadhaar as the twelfth document, in addition to the 11 it has already permitted to present for identification purposes, amid the Special Intensive Revision (SIR) of the voters list in Bihar. The bench of Justices Surya Kant and Joymalya Bagchi, however, made it clear that it will not be considered as proof of citizenship, and stated that the poll body will be entitled to assess the genuineness of the Aadhaar card.

"Aadhaar card is not proof of citizenship. However, keeping in view S.23(4) of the RP (Representation of People) Act, Aadhaar card is one document for the purpose of establishing identity of any person…The Aadhar card…shall be accepted for establishing the identity of any person for inclusion or exclusion in the revised voters list of state of Bihar," the bench ordered. "The Aadhaar card, in this regard, shall be treated as the 12th document by the authorities. However, it is clarified that the authorities shall be entitled to verify the authenticity and genuineness of the Aadhaar card itself," it stated. Appearing for the Rashtriya Janata Dal (RJD).

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, शक्ति शंकर द्वारा फाईन आफसेट प्रिंटर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्शीपुर, जनपद–गोरखपुर से मुद्रित कराकर, मुहल्ला–द्वितीय तल पुष्पांजलि काम्प्लेक्स शाही मार्केट, गोलघर, जनपद–गोरखपुर से प्रकाशित।
प्रधान संपादक :
शक्ति शंकर
मो नं.
7233999001
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र गोरखपुर न्यायालय होगा।